प्रदेश में रिकॉर्ड निवेश, दूर करेंगे उद्यमियों की समस्या

तीन दिवसीय फूड एक्सपो का उद्घाटन करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा

आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड करने की मांग

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) का तीन दिवसीय फूड एक्सपो शुक्रवार से शुरू हो गया। इसका उद्घाटन उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी और स्टांप व पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने किया। गोमतीनगर स्थित आईआईए भवन में लगे एक्सपो में उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रदेश में रिकॉर्ड निवेश हुआ है।

प्रदेश का उद्योग 2017 से बेहतर स्थिति में है। उद्यमियों की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। आईआईए की समस्याओं और सुझावों पर जल्द कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर आईआईए के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज सिंघल ने मांग की कि औद्योगिक भूमि को लीज होल्ड से फ्री होल्ड किया जाए। साथ ही मंडी शुल्क से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाए।

गोमती नगर स्थित आईआईए भवन में तीन दिवसीय इंडिया फूड एक्सपो का शुभारंभ करते कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी। -संवाद

एक्सपो में खास

- 03 दिन तक चलेगी प्रदर्शनी
- 02 दिसंबर को देंगे आयात-निर्यात की जानकारी
- 100 से अधिक कंपनियों की भागीदारी
- 05 देशों के उत्पादों को किया जा रहा प्रमोट

किसानों से जुड़ी दो शर्तें निरस्त करने की मांग

आईआईए फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री कमेटी के चेयरमैन व इंडिया फूड एक्सपो के संयोजक दीपक बजाज ने कहा कि प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पाद खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बेचने में दिक्कत आ रही है। यदि किसान अपनी उपज सीधे बेचना चाहता है तो मंडी शुल्क से छूट पाने के लिए लैंड रिकॉर्ड को अनिवार्य कर दिया गया है। किसान अपने लैंड रिकॉर्ड देना नहीं चाहते और छोटे किसान नगद भुगतान चाहते हैं, इसलिए दोनों शर्तों को निरस्त किया जाए। इस मौके पर आईआईए के महासचिव आलोक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश गोयल समेत आईआईए के पदाधिकारी मौजूद रहे।

उद्योग को नई पहचान देते युवा उद्यमी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के युवा नौकरी पाने से ज्यादा नौकरी देने में यकीन रखने लगे हैं। यही वजह है कि उन्होंने नौकरी छोड़कर अपने लिए उद्यम की राह चुनी। जोखिम उठाया और उसमें सफल हुए, आज वे उस स्थिति में हैं कि दावे से कह सकते हैं कि उन्होंने जो फैसला लिया वो सही था। उत्तर प्रदेश के उद्यमियों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त में उन्होंने अपनी एक पहचान बना ली है। इंडियन फूड एक्सपो में ऐसे ही युवा उद्यमियों से अमर उजाला ने बात की। आइए जानते हैं उनके बिजनेस और नवाचार को। (माई सिटी रिपोर्टर)

सेंधा नमक से बना दिया टेबल लैंप, शिवलिंग और भी बहुत कुछ

गाजियाबाद से आए युवा उद्यमी विशाल शर्मा के स्टाल पर प्रकाश फैलाता शिवलिंग और शंख, किसी पहाड़ के टुकड़े की तरह से रखा प्रकाश फैलाता टुकड़ा..., सभी को आकर्षित कर रहा है। इसके बारे में जब विशाल बताना शुरू करते हैं तो हर कोई आश्चर्य में पड़ जाता है। पाकिस्तान से लाए गए रॉक साल्ट जिसे सेंधा नमक कहा जाता है

उसको सुंदर तरीके से आकार देकर तैयार किया गया है। एक तरफ ये घर में प्रकाश फैलाता है तो दूसरी तरफ मन को शुद्ध और शांत रखने के लिए भी इसका इस्तेमाल लोबान की तरह किया जाता है। विशाल बताते हैं कि नौकरी करते समय लगा कि अपना काम करूं और इस राह पर चल पड़ा।

बोलने के शौक ने बनाया बिजनेस विमेन

एक्सपो में कृष्णानगर की सादिया शेख ने भी स्टाल लगा रखा है। वह बताती हैं कि मुझे बोलने का बहुत शौक था। पहले लगा कि सेल्स में जॉब करूं तो शायद बोलने की आदत काम आए, फिर अपना बिजनेस महज 1.5 लाख रुपये की

पूंजी से शुरू किया। आज पैन इंडिया में हमारा कारोबार है। हम फूड प्रोसेसिंग उद्योग के लिए मशीन बनाते हैं। एक महिला के लिए खुद को साबित करना चुनौतीपूर्ण था, फिर भी हमने कर दिखाया, आज हम आपके सामने हैं।

सेहत के लिए नेटवर्क तैयार करने का जिम्मा

100 स्टाल के बीच एक स्टाल आनंदी अग्रवाल का भी है। आम आदमी की सेहत के लिए 2017 में एक नेटवर्क तैयार करने का जिम्मा उठाया और स्टार्टअप शुरू किया। कोरोना काल में इस पर ब्रेक लग गया। कोविड बीता तो सेहत प्राथमिकता बन गई। आनंदी अग्रवाल और उनकी टीम ने तय किया कि वे लोग एक ऐसा नेटवर्क तैयार करेंगे जिसमें कम समय और शुल्क में वंचित तबके को

डाक्टरी परामर्श उपलब्ध हो सके। इसके तहत शुरुआत उन्होंने की है आभा कार्ड के रजिस्ट्रेशन के लिए लोगों को प्रेरित करने से। आभा यानी आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड। कहती हैं कि इसके साथ ही हम लोग कंपनी व डाक्टरों के साथ नेटवर्क तैयार करेंगे, ताकि उनका लाभ वंचित तबके तक पहुंच सके।

लोहा ही नहीं कंकड़ भी साफ करती है मशीन

प्रतीश पटेल और धनराज बताते हैं कि हमने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता बनाए रखने के इरादे से मशीनों की नई तकनीक पर काम किया। हमारे पास जो मशीन है वो सिर्फ लोहे को ही नहीं बल्कि अनाज में पड़े पत्थर-कंकड़ भी अलग कर देती है। इसी तरह जब अनाज में इल्ली या कीड़े लग जाते हैं, उन्हें फिल्टर करके आटे-मैदे को साफ करने वाली मशीन भी हमारे पास है।